International Indian School Dammam
Summative Examination-1

कक्षा–10 विषय–हिन्दी

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 90

सामान्य निर्देश: (i) इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं–क, ख, ग और घ
(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।
(iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दें।

(खण्ड–क)

प्रश्न 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जब बंगला के श्रेष्ठ कवि रविन्द्रनाथ ठाकुर को उनकी पुस्तक 'गीतांजलि' पर नोबेल पुरस्कार मिला, तब से हिन्दी कवियों को भी उसी प्रकार की रचनाएँ लिखने की प्रेरणा मिली और अर्थ–अनर्थ का बहुत विवेक किए बिना अनेक कवियों ने अनेक रहस्यवादी रचनाओं का सृजन किया, जिनमें से अधिकांश शीघ्र ही काल के प्रवाह में बहकर समाप्त हो गए। केवल गिनती के दो–चार कवि इस क्षेत्र में टिक पाए।

परंपरागत अर्थों में रहस्यवाद आत्मा और परमात्मा के संबंध में रचित काव्य है, पर आज की रहस्यवादी रचनाओं को समग्रतः ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस सृष्टि में आकर मनुष्य अपने चारों ओर जो कुछ देखता है, वह एक विचित्र रहस्य से आवृत है। बड़े–बड़े मनीषी भी युगों तक खोज करके इस समस्त विश्व–प्रपंच के रहस्य का उद्‌घाटन नहीं कर पाए हैं, किन्तु दीर्घकाल तक विचार और साधना करने के पश्चात् उन्हें ऐसा अनुभव हुआ कि इस समस्त संसार का संचालन किसी अदृश्य सत्ता द्वारा हो रहा है। उस अदृश्य सत्ता को ब्रह्म या परमात्मा भी कहा जा सकता है। उस अदृश्य सत्ता को खोजने और उससे मिलने के लिए वे साधक बेचैन हो उठे। जब एक बार उस सत्ता का ज्ञान हो गया, फिर उससे मिले बिना चैन कहाँ ? ऐसी दशा में विरह की व्याकुलता का वर्णन अनेक साधकों ने बड़े मर्मस्पर्शी शब्दों में किया है, किन्तु इसमें कठिनाई यह है कि जिस ब्रह्म या अज्ञात सत्ता के प्रेम में वे पागल हो उठे है; उसके गुणों का या रूप का कुछ वर्णन कर पाना संभव नहीं है। सभी साधकों ने एक स्वर से यही बात कही है वह बुद्धि और तर्क से परे है। उसे इंद्रियों द्वारा जाना नहीं जा सकता, किन्तु हृदय द्वारा उसका अनुभव किया जा सकता है, परन्तु वह अनुभव गूँगे के गुड़ के समान है। उस अनुभव का आनंद तो लिया जा सकता है, किन्तु उसका वाणी से वर्णन नहीं किया जा सकता है। उसके लिए उपयुक्त शब्द ही भाषा में नहीं। इसका परिणाम यह होता है कि उसे अपने भाव को व्यक्त करने के लिए प्रतीक–शैली का सहारा लेना पड़ता है। इन प्रतीकों के द्वारा भी कवि अपने भाव को पूरा तो स्पष्ट नहीं कर पाता, पर फिर भी उसकी कुछ–न–कुछ झलक अवश्य पाता है।

यही रहस्यवाद है–आत्मा और परमात्मा या दृश्य और अदृश्य जगत्, अव्यक्त सत्ता के संबंधों का काव्य–रूप में वर्णन। विचार के क्षेत्र में इसे 'अद्‌वैतवाद' कहा जाता है और काव्य के क्षेत्र में 'रहस्यवाद'।

INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL LIBRARY SENIOR GIRLS DAMMAM

क) हिन्दी कवियों को रहस्यवादी रचनाएँ लिखने की प्रेरणा कैसे मिली ? 2

ख) रहस्यवाद क्या है ? 2

ग) चिन्तन–मनन के बाद मनीषियों को क्या अनुभव हुआ ? 2

घ) ब्रह्म का वर्णन करने में कठिनाई क्या है ? 2

ङ) कवियों ने प्रतीकों का सहारा क्यों लिया ? 2

च) 'परमात्मा' शब्द का समास विग्रह करते हुए भेद बताइए ? 1

छ) गद्यांश का शीर्षक लिखिए 1

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

यहाँ कोकिला नहीं, काक हैं शोर मचाते।
काले–काले कीट, भ्रमर का भ्रम उपजाते।।
कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक–कुल से।
वे पौधे, वे पुष्प, शुष्क हैं अथवा झुलसे।।
परिमल–हीन पराग दाग–सा बना पड़ा है।
हा! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।।
आओ प्रिय ऋतुराज! किन्तु धीरे से आना।
यह है शोक–स्थान यहाँ मत शोर मचाना।।
वायु चले पर मंद चाल से उसे चलाना।
दुख की आहें संग उड़ाकर मत ले जाना।।
कोकिला गावे, किन्तु राग रोने का गावे।
भ्रमर करे गुंजार, कष्ट की कथा सुनावे।।
लाना संग में पुष्प, न हों वे अधिक सजीले।
हो सुगंध भी मंद, ओस से कुछ–कुछ गीले।।
किन्तु न तुम उपहार–भाव आकर दरसाना।
स्मृति में पूजा–हेतु यहाँ थोड़े बिखराना।।

क) कवि ने बाग़ का दृश्य किन शब्दों में चित्रित किया है ? 2

ख) कवि ऋतुराज से क्या प्रार्थना कर रहा है ? 2

ग) कवि पुष्पों के लिए वसंत को क्या हिदायत दे रहा है और क्यों ? 2

घ) कवि वसंत को बाग में धीरे से आने की प्रार्थना क्यों कर रहा है ? 2

(खण्ड–ख)

प्रश्न 3 क) शब्द और पद का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

ख) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

i) वह गाँव जाकर बीमार पड़ गया। (संयुक्त वाक्य में) 1

ii) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी। (मिश्र वाक्य में) 1

iii) जैसे ही गली में शोर हुआ, वैसे ही सब लोग डर गए। (संयुक्त वाक्य में) 1

प्रश्न 4 क) निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह करते हुए भेद लिखिए। 2

धनहीन, कमलनयन

ख) समस्त पद बनाते हुए भेद लिखिए 2

पथ से भ्रष्ट, विदया के लिए आलय

प्रश्न 5 क) निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। 2

सुध–बुध खोना, आटे–दाल का भाव मालूम होना

ख) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। 4

i) मेरे को पुस्तक नहीं चाहिए।
ii) यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
iii) चलते बस में मत उतरो।
iv) महाभारत का युद्ध अट्ठाराह दिनों तक चलता रहा।

(खण्ड–ग)

प्रश्न 6 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार–निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुन्दर सा गाँव था। पास में सुन्दर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबार उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूच द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा–भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व–त्यौहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।

1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए – 1
2. तताँरा कहाँ रहता था ? 1
3. तताँरा चर्चित क्यों था ? 2
4. लोग तताँरा के करीब क्यों रहना चाहते थे ? 1

प्रश्न 7 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। $2 \times 2 = 4$

क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसी आती है ?
ख) संगीतकार जयकिशन ने शैलेंद्र के गीत पर क्या कह कर आपत्ति जताई ?
ग) क्रोध में तताँरा ने क्या किया ?
घ) पुलिय कमिश्नर और कौंसिल की नोटिस में क्या अंतर था ?

प्रश्न 8 लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि 'तीसरी क़सम' ने साहित्य रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया है ? 5

अथवा

बड़े भाई साहब ने शिक्षा–व्यवस्था पर क्या–क्या व्यंग्य किया है?

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

"निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाई।
बिन साबण पाँणि बिना, निरमल करै सुभाई।।
कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसैं घटि–घटि रॉम है, दुनिया देखै नाँहि।।"

क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए। 1
ख) अपने स्वभाव को निर्मल बनाने के लिए कवि ने क्या उपाय सुझाया है ? 2
ग) ईश्वर कण–कण में व्याप्त है, परन्तु मनुष्य उसे देख क्यों नहीं पाता ? 2

अथवा

"हरि आप हरो जन री भीर।
द्रौपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि धरयो आप शरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर
दासी मीरा लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।"

क) कवयित्री एवं कविता का नाम लिखिए। 1
ख) श्रीकृष्ण ने द्रौपद्री की रक्षा किस प्रकार की ? 2
ग) कवयित्री अपने प्रभु से क्या प्रार्थना कर रही हैं ? 2

प्रश्न10 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×2 =6

क) मीरा कृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहतीं है ?
ख) कबीर की भाषा–शैली की विशेषताएँ बताइए।
ग) तालाब की तुलना किससे और क्यों की गई है?

प्रश्न11 समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है ? 'कहानी हरिहर काका' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

अनपढ़ होते हुए भी 'हरिहर काका' दुनिया की बेहतर समझ रखते थे। कैसे ?

(खण्ड–घ)

प्रश्न12 संकेत–बिन्दुओं के आधार पर 80–100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। 5

क) परोपकार
- i. अर्थ
- ii. आवश्यकता
- iii. आत्मिक सुख
- iv प्रकृति से प्रेरणा

ख) राष्ट्रीय एकता
- i. राष्ट्र का अर्थ–एकता
- ii. सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता
- iii. राष्ट्र की सुदृढ़ता का आधार

प्रश्न13 अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को खेल–कूद की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने मोहल्ले में गंदगी की शिकायत करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्रश्न14 एक प्रसिद्ध 'क्रिकेट बैट' बनाने वाले कंपनी के लिए 20–25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

प्रश्न15 'बढ़ती हुई मँहगाई' विषय पर एक छात्र एवं फल विक्रेता के बीच संवाद को 40–50 शब्दों में लिखिए। 5

प्रश्न16 '23 सितम्बर' सऊदी अरब का राष्ट्रीय दिवस है। इस दिन विद्यालय में अवकाश रहेगा। इसकी सूचना 20–30 शब्दों में लिखिए। 5